



# अन्तर्वासना फ़ैन इंडियन कॉलेज गर्ल के साथ-2

“मेरी दोस्त कॉलेज गर्ल से मैं सेक्स चैट करता..  
फ़ोन सेक्स करके एक दूसरे की गर्मी को शांत करते।  
एक दिन उसने मुझे उसी गार्डन में बुलाया। वहाँ क्या  
हुआ ? ...”

Story By: प्रेम नागपुर (preamnil)

Posted: Saturday, March 4th, 2017

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [अन्तर्वासना फ़ैन इंडियन कॉलेज गर्ल के साथ-2](#)

# अन्तर्वासना फ्रैन इंडियन कॉलेज गर्ल के साथ-2

अब तक आपने पढ़ा..

स्नेहा मेरी दोस्त बन गई थी और अब हम लोग एक पार्क में मिलने के लिए गए भी थे।

अगली मुलाकात के बारे में बात करने के लिए हम दोनों ने फोन नम्बर ले लिए थे।

अब आगे..

अब हमारी रोज बातें होने लगीं। फोन पर भी मैं उससे सेक्स चैट, उत्तेजित करने वाली बातें करता.. जिससे वो गर्म हो जाती। फिर हम फोन सेक्स करके एक दूसरे की गर्मी को शांत करते।

एक दिन सवेरे उसका कॉल आया कि आज वो अपनी सहेली के घर जाने के बहाने से मुझसे मिलने आ रही है.. तो मैं 11 बजे उसको वहीं मिलूँ.. जहाँ हम पिछली बार मिले थे।

मैं वहाँ पहुँच गया, वो भी जल्दी ही आ गई, वो लॉन्ग स्कर्ट और टॉप पहन कर आई थी। ऐसा लगा कि जैसे आज पूरी तैयारी के साथ आई हो।

हम दोनों साथ में अपनी उसी जगह पर जाकर बैठ गए। सवेरे का वक़्त गुजर चुका था.. इसलिए गार्डन में ज्यादा लोग नहीं थे। हम दोनों ज्यादा खुल कर बैठे थे और बातें कर रहे थे।

मैंने उससे पहल करने के लिए कहा.. तो वो मुझे कभी माथे पर चूमती.. तो कभी गालों पर... वो मस्ती के मूड में थी और मुझे तड़पाना चाहती थी.. पर मैं भी कहाँ हार मानने

वाला था, मैंने भी उसको कमर से पकड़ कर अपनी ओर खींचा और अपने होंठ उसके होंठों पर रख दिए।

हम दोनों एक दूसरे का पूरा साथ दे रहे थे, उसके हाथ मुझे अपनी आगोश में जकड़ रहे थे, वो मुझे खुद में समा लेना चाहती थी। मैंने भी उसको कसके पकड़ा और उसके मुँह में अपनी जुबान घुमाने लगा।

मैं उसके मम्मों को दबाने लगा.. तो वो गर्म सिसकारियां भरने लगी, उसकी साँसें तेज होने लगी थीं, उसने थोड़ा संभलते हुए कहा- प्रेम, सच में हमें यहाँ कोई देखेगा तो नहीं ना ? मैंने उससे कहा- यहाँ पर फिलहाल कोई नहीं आएगा।  
वो फिर से मुझे किस करने लगी।

अब मैं ज्यादा जोश में आ गया था.. इसलिए हाथों से उसकी बुर को सहलाने लगा। उसने भी साथ देते हुए मेरे लंड पर दबाव बनाना शुरू किया, हम एक-दूसरे को अपने हाथों से मजा दे रहे थे और सिसकारियां ले रहे थे।

उसने मेरे पैंट की चैन खोली और मेरे लंड को बाहर निकाल कर मजा देने लगी। मैंने उसकी पेंटी उतार दी, वो स्कर्ट पहनकर आई थी.. इसलिए मुझे ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी।

उसकी पेंटी गीली हो चुकी थी, मैं उसकी बुर को मजा दे रहा था, उसने कहा- अब मुझसे सहा नहीं जा रहा है।  
वो चुदास में भर कर मेरा लंड अपना बुर चोदन करवाना चाह रही थी।

गार्डन में तो चुदाई करना नामुमकिन तो नहीं था.. पर मुश्किल जरूर था। मैंने उससे कहा- मैं पेड़ से सट कर बैठ जाता हूँ और तुम मेरे लंड के ऊपर आकर बैठ जाओ।

उसने सर हिलाया ।

मैं पेड़ से सट कर बैठ गया और वो मेरे लंड पर अपनी बुर का निशाना लगाकर बैठ गई ।

अभी मेरा लंड उसकी बुर के थोड़ा ही अन्दर गया था कि वो खड़ी हो गई ।

मैंने पूछा- क्या हुआ ?

उसने कहा- दर्द हो रहा है ।

मैंने उसको समझाया- शुरूआत में तो दर्द होता ही है.. बाद में फिर सिर्फ मजा आता है ।

वो मान गई और वापस मेरे लंड पर बैठने को राजी हो गई । मैंने अब उसकी बुर में अपना थोड़ा सा लंड घुसाया और उसे नीचे होने के लिए कहा ।

इस बार उसने कुछ ज्यादा ही जोर लगा लिया । मेरा आधा लंड उसकी बुर में घुस चुका था । उम्ह... अहह... हय... याह... वो दर्द से चीखने ही वाली थी कि मैंने अपने हाथ से उसका मुँह दबा दिया.. वरना उस दिन तो पब्लिक में धुलाई हो जाती ।

उससे दर्द सहा नहीं गया और उसकी आँखों से आँसू आने लगे, मैं उसको किस करने लगा ।

थोड़ी देर में जब उसका दर्द कम हुआ तो वो खुद ही धीरे-धीरे ऊपर-नीचे होने लगी । मैं भी नीचे से धक्का लगाने लगा । वो मादक सिसकारियां ले रही थी और आवाजें निकालने लगी थी ।

यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

कुछ ही पलों की चुदाई के बाद वो अपनी चरम सीमा पर पहुँचने वाली थी, उसकी स्पीड बढ़ गई और उसने कहा- मेरी बुर से कुछ निकल रहा है और मुझे बहुत मजा आ रहा है । वो मेरे लंड को अपने गरम-गरम लावे में भिगो गई.. पर मेरा अभी बाकी था ।

वो थक चुकी थी तो उसने और चुदने से मना कर दिया और हाथों से मेरे लंड की मुठ मारी। उसने कुछ ही झटकों में मेरा सारा लावा बाहर निकाल दिया।

अब हम दोनों ने अपने आपको साफ किया थोड़ा खून भी दिखा था। हम दोनों ने कपड़े ठीक करके फिर से एक-दूसरे की बांहों में बांहें डालकर बैठे गए।

हम एक-दूसरे को चूमने लगे। हमारे नसीब अच्छे थे कि उस वक़्त वहाँ और कोई नहीं आया।

इस तरह मेरी और स्नेहा की पहली चुदाई गार्डन में हुई।

अब हमारी रोज़ फोन पे बात होती और फोन सेक्स भी होता।

हमने गार्डन में चुदाई तो की.. पर उस जल्दी-जल्दी की चुदाई में हमें सेक्स का पूरा मज़ा नहीं मिल पाया। स्नेहा भी मेरे साथ पॉर्न मूवी की तरह चुदाई का पूरा मज़ा लेना चाहती थी.. पर जब तक स्नेहा के कॉलेज शुरू नहीं होते हम बाहर नहीं मिल सकते थे।

कुछ हफ़्तों बाद स्नेहा की कॉलेज शुरू हो गए और वो कॉलेज में बिज़ी हो गई। अब उसके कॉल आने भी कम हो गए थे। हम रोज़ तो नहीं.. पर हफ़्ते में दो-तीन बार तो फोन सेक्स चैट कर ही लेते थे।

हमारा मिलना नहीं हो रहा था।

कॉलेज शुरू होने के एक महीने बाद हम दोनों ने बाहर घूमने जाने का प्रोग्राम बनाया। तय यह हुआ कि वो घर से अपनी सहेली के साथ कॉलेज के लिए निकलेगी और मुझे कॉलेज के पास मिलेगी, फिर हम वहाँ से घूमने जाएँगे।

तय समय पर हम दोनों वहाँ मिले.. पर जाना कहाँ है यह डिसाइड ही नहीं हुआ था।

उसने कह दिया कि वो सिर्फ कॉलेज के हाफ टाइम तक ही बाहर रह सकती है। मेरा दिमाग भी काम नहीं कर रहा था कि एक तो इतने दिनों बाद मिले, उसमें भी वक्त की लिमिटेशन। जाना कहाँ है.. ये भी डिसाइड नहीं हुआ।

मैंने उससे कहा- पहले यहाँ से चलो.. बाद में देखेंगे कि जाना कहाँ है। हम वहाँ से निकले और एक रेस्टोरेंट में पहुँच कर हमने कॉफी ऑर्डर की और डिसाइड करने लगे।

फिर तय हुआ कि आज कहीं बाहर ना जाते हुए हम सिटी के ही हिल्स गार्डन में जाएँगे और वही अपना समय बिताएँगे क्योंकि वैसे भी आज हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं था। हमने आधा घंटा वैसे ही बिता दिया था।

हम वहाँ से निकल कर हिल्स गार्डन पहुँचे। हम गार्डन में अपने लिए एक पेड़ की आड़ लेके उसके नीचे खड़े हो गए और एक-दूसरे से शरारत भरी बातें और मस्ती करने लगे।

आखिर हम बहुत दिनों बाद एक-दूसरे से मिले थे। हमने एक-दूसरे को बांहों में भर लिया और चूमने लगे। इस बार मुझे किस करने में मुझे ज्यादा मज़ा आ रहा था.. क्योंकि पहले जब हम मिले थे तो वो डरी हुई थी। आज वो कुछ ज्यादा ही मस्ती में थी।

वैसे भी हमारी फोन पे बातें होती थीं.. तो वो ज्यादा खुल गई थी। हमने एक-दूसरे को बहुत देर तक चूमा। कभी वो मेरे मुँह में अपनी जुबान डालती, तो कभी मैं अपनी जुबान उसके मुँह में घुमाता। हम बहुत ही ज्यादा गरम हो गए थे। एक-दूसरे को छोड़ ही नहीं रहे थे।

हम एक-दूसरे को सहलाए जा रहे थे। मैं उसके मम्मों को दबा रहा था। तभी मेरे ध्यान में आया कि हम उस पुराने गार्डन में नहीं हिल्स गार्डन में हैं और यहाँ इससे ज्यादा कुछ नहीं हो सकता।

अब हम थोड़ा अलग हुए और फिर से एक-दूसरे से शरारत करने लगे। हमने ऐसे ही 1.30 घंटा बिता दिया।

आज उसके पास वक़्त नहीं था.. तो फिर कभी मिलने का बोलकर हम दोनों वहाँ से निकले और पास ही के एक रेस्टोरेंट में आ गए।

यहाँ पर भी हम नाशता करते करते एक दूसरे से शरारत कर रहे थे। फिर मैंने उसे कॉलेज के पास ड्रॉप कर दिया। बाकी बातें फोन पर करने के लिए बोला।

शाम को उससे फोन पर बात हुई तो वो कहने लगी- प्रेम कॉलेज में आज मेरा बिल्कुल भी ध्यान नहीं था। मैं सहेली के साथ जल्दी ही घर आ गई। पहली बार सेक्स में जो दर्द हुआ था उसके बाद मैं थोड़ा घबरा गई थी.. इसलिए मैं सिर्फ़ तुमसे फोन पर ही बातें करती थी और तुमसे नहीं मिल रही थी, पर आज जो गार्डन में हुआ उसके बाद तो मैं तड़प रही हूँ। काश ऐसा हो सकता के तुम मेरे पास आ सकते।

मैंने उससे कहा- अभी तो ये सम्भव नहीं है.. पर मैं कुछ सोचता हूँ।

फिर हमने एक-दूसरे से फ़ोन सेक्स करके शांत किया और फोन रख दिया। मैं सोचने लगा कि मैं इसके साथ कहाँ सेक्स कर सकता हूँ। इस बार मैं बड़े ही आराम से और बिना डर के उसे सेक्स का मज़ा देना चाहता था.. पर वो किसी होटल या किसी भी ऐसी जगह नहीं आना चाहती थी, जहाँ पकड़े जाने का डर हो।

आप मेल जरूर कीजिएगा।

[pream\\_nill@yahoo.co.in](mailto:pream_nill@yahoo.co.in)

इंडियन कॉलेज गर्ल की सेक्स कहानी जारी है।

## Other stories you may be interested in

### दोस्त की गर्लफ्रेंड ने चूत चुदाई

मेरे प्यारे दोस्तो, मेरा नाम डीके है. यह कहानी मेरे दोस्त सोहन और उसकी गर्लफ्रेंड हेमा की है. मेरे दोस्त सोहन की स्टेशनरी की शॉप गर्ल्स कॉलेज के पास है. एक लड़की हेमा उस गर्ल्स कॉलेज में पढ़ती थी. इसी [...]

[Full Story >>>](#)

### कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-16

अब तक आपने पढ़ा था कि पुनीत अपने दो नीग्रो साथियों के साथ मुझे चोदे जा रहा था. वो मेरी गांड में अपना लंड पेलते हुए मैक से कह रहा था कि इसकी चूत में जम के लंड पेलो.. इसको [...]

[Full Story >>>](#)

### सिनेमा हॉल में मैडम की चुदाई

दोस्तो! मेरा नाम राज है. मैं गुजरात का रहने वाला हूँ और कंप्यूटर इंजीनियर के पद पर काम करता हूँ. यह कहानी मेरी जाँब के दौरान ही हुई एक घटना से जुड़ी हुई है. कहानी बताने से पहले मैं आप [...]

[Full Story >>>](#)

### सेक्सी गर्लफ्रेंड की पहली चुदाई

मेरा नाम विशाल भारद्वाज है. मेरी उम्र 20 साल है, मैं अभी पढ़ाई कर रहा हूँ। मैंने अन्तर्वासना की प्रकाशित सारी चोदन कहानियां पढ़ी हैं। आज मैं अपने जीवन की पहली आपबीती लिख रहा हूँ। अगर कुछ कमी रह जाए [...]

[Full Story >>>](#)

### कभी साथ न छोड़ना रवि जी, प्लीज!

रवि जी ने स्पीड ब्रेकर के पहले अपनी मोटर साइकल को धीमा किया और ब्रेकर को पार करते वक्त इस तरह आगे की ओर झुक गए कि मेरे बूब्स उनकी पीठ से न टकरा जाये। दूसरा कोई लड़का होता तो [...]

[Full Story >>>](#)



